bay suburban system; and (iv) Study for conversion of DC to AC traction in Bombay suburban services, with the assistance of World Bank are presently under way. These studies would take about a year to complete.

World Bank has so far given funds to the tune of US dollars 3.0 million as advance under the Project preparatory Facility (PPF) to meet the cost of the above studies for the rail component.

The actutal BUTP-II project would be firmed up after the studies have been completed. The total cost of rail components of BUTP-II projects is approximately estimated to be around Rs. 2000 crores, which would be shared between the Central and the State Government equally.

मध्य प्रदेश में बागवानी को बढ़ावा देने के लिये वित्तीय सहायता

2055. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1994-95 के दौरान केन्द्रीय सरकार ने मध्य प्रदेश सरकार को राज्य में बागवानी को बढ़ावा देने के लिए कितनी वित्तीय सहायता दी है;

(ख) सरकार ने इस प्रयोजनार्थ मध्य प्रदेश में जिलावार क्या योजनाएं बनायी हैं;

(ग) क्या सरकार को राज्य सरकार से इस बारे में कोई प्रगति रिपोर्ट और धनराशि के उपयोग संबंधी प्रमाण पत्र प्राप्त हुए हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

कृषि मंत्री (श्री चतुरानन मिश्र): (क) तथा (ख) 1994-95 के दौरान विभिन्न जिलों में बागवानी विकास की निम्नलिखित योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए मध्य प्रदेश सरकार को 419.28 लाख रु० की धनराशि निर्मुक्त की गई थी:

(1) वानस्पतिक बीजों का उत्पादन और उनकी आपूर्ति।

(2) ऊष्णकटिबंधीय, शुष्क और शीतोष्ण फलों का विकास।

(3) मसाला विकास

(4) कन्द और मूल वाली फसलों का विकास

(5) खुम्बी की खेती।

(6) पान की बेलों का विकास।

(7) काजू का विकास

(8) कृषि में प्लास्टिक का प्रयोग।

(9) व्यवसायिक पुष्पकृषि का प्रयोग।

(ग) तथा (घ) जी, हां। राज्य ने 279.57 लाख रु० के उपयोग कर लिए जाने की सूचना दी है। योजना-वार भौतिक उपलब्धियां संलग्न विवरण में दर्शाई गई है।

विवरण

मध्य प्रदेश में बागवानी विकास योजनाओं के तहत भौतिक उपलब्धि

योजना	घटक	1994-95 के दौरान उपलब्धि
1. सब्जियों का विकास	(i) वितरित किए गये मिनीकिट (संख्या)	10,376
	(ii) आधारी बीज का उत्पादन	105.12
2. फलों का विकास	(i) बड़ी नर्सरियां	2
	(ii) छोटी नर्सरियां	99
	(iii) टिश्यू कल्चर नर्सरियां (निजीक्षेत्र) (सं)	1
	(iv) किसानों को प्रशिक्षण	400

योजना	घटक	1994-95 के दौरान उपलब्धि
	(v) क्षेत्र विस्तार (है०)	4300
	(vi) पुराने फलोद्यान का नवीकरण (है०)	2010
3. मसालों का विकास	1. मिर्च:	
	(i) गहरी कलमों का उत्पादन (सं० लाख में)	1.00
	(ii) फील्ड प्रदर्शन (सं०)	25
	(iii) अन्त खेती (लाख है०)	0.5
	2. अदरक:	
	(i) केन्द्रक बीज सामग्री का उत्पादन (टन)	15
	(ii) प्रदर्शन-सह-बीज बहुलीकरण सामग्री (सं०)	300
	(iii) वितरित मिनिकिट (सं०)	800
	(iv) पी०पी० प्रदर्शन (सं०)	75
	(v) क्षेत्र विस्तार	100
	3. हल्दी:	
	(1) प्रदर्शन-एवं बीज संवर्धन प्लाटों की स्थापना (संख्या)	600
	4. मिर्च:	
	(1) प्रदर्शन-एवं बीज संवर्धन प्लाटों की स्थापना (संख्या)	1200
	(2) पौध-रक्षण प्रदर्शन (संख्या)	4000
	(3) वितरित किए गए मिनिकिट (संख्या)	1500
	(4) क्षेत्र विस्तार (है०)	50
	(5) पेपरिका का प्रदर्शन (संख्या)	20
	5. वृक्षीय मसाले:	
	(1) रोपण सामग्री का उत्पादन और वितरण (संख्या)	10,000
	(2) प्रदर्शन प्लाट (संख्या)	20
	6. लघु (बीज) मसाले:	
	(1) न्यूक्लिअस बीज का उत्पादन (मीटरी टन)	10

	(2) प्रदर्शन प्लाट (संख्या)	2000
	(3) वितरित किए गए मिनिकिट (संख्या)	5000
	7. सामान्य कार्यक्रम:	
	(1) पौध रक्षण उपकरण का वितरण (संख्या)	300
	8. संतुति उद्यान	
	(1) प्रदर्शन-एवं संतुति उद्यानों की स्थापना तथा रख-रखाव	1
4. जड़ तथा कन्दीय फसलों का विकास	(1) प्रदर्शन (संख्या)	14
5. खुम्बी की खेती	(1) स्पान उत्पादन इकाईयां (संख्या)	1
	(2) पाश्चुरीकृत कम्पोस्ट इकाईयां (संख्या)	1
	(3) किसानों का प्रशिक्षण	25
6. पान की बेल का विकास	(1) संरक्षण स्थलियों का निर्माण (संख्या)	200
	(2) प्रदर्शन प्लाट (संख्या)	200
	(3) सिंचाई इकाइयों का विकास (संख्या)	25
	(4) पौध संरक्षण उपकरणों का वितरण	102
7. काजू का विकास	(1) नए बागान (हैक्टेयर)	160
8. कृषि में प्लास्टिक का प्रयोग	(1) ड्रिप सिंचाई (संख्या)	291
	(2) ड्रिप प्रदर्शन (संख्या)	64
	(3) प्लास्टिक मलिचंग (संख्या)	114
	(4) ग्रीन हाऊस (संख्या)	15

Provision of Generators in Kendriya Vidyalayas

2046. SHRI RAM NATH KOVIND *Will the Minister of* HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether there was no light during school hours in Kendriya Vidyalayas of Shalimar Bagh, Lawrence Road, Pitampura and Sainik Vihar on 4th and 5th July, 1996;

(b) whether no teaching could take place in such Vidyalayas on these days due to non-working of ceiling fans;

(c) whether such situation affected the availability of drinking water badly in the concerned Vidyalayas;

(d) whether the students had to get drinking water from the nearby houses;

(e) whether Government propose to provide generators in Kendriya Vidyalayas to ensure that teachig hours are not wasted; and